۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی و حل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاء اللہ

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

सलातुल मीमिलअरबईन 3
दुरूदे चहल मीम

पेशकश

बमौक़ा जमादीयुलअव्वल
बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ ﷺ

मोह़म्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

बिस्मिल्लाहिर्रह़्मानिर्रह़ीम

सुबह़ान क ला इलाह इल्लल्लाहु सुल्त़ान क या मन हुवल्लाहु लाइला ह इल्ला हुवल ह़य्युलक़य्यूमु स़ल्लि सर म दन सलामवँ व ब र कतन ताम्मतन अ़ला सय्यिदी नूरिकल कमालिल अ़ज़ीमि व नूरिकल्लज़ी ख़ुलि क़ बिही माफ़िस्समावाति व माफ़िल अर्दि व नूरिकल्लज़ी का न ह़ामिदन फ़िल्अ ज़ लि कमा का न ह़क़्क़ु क व नूरि कल्लज़ी आ म न बिहिन्नबीयू न व नूरि कल्लज़ी इस्मुहू मक्तूबुम्बिल जन्नति व नूरिकल्लज़ी कुल्त फ़ी शानि हिल्करीमि वल्लज़ी न आमनू व अ़मिलुस्सालिह़ाति व आमनू बिमा नुज़्ज़ि ल अ़ला मोह़म्मदिवँ व हुवल ह़क़्क़ु मिर्रब्बिहिम कफ़्फ़ र अ़न्हुम सय्यिआतिहिम व अस़ ल ह़ बा लहुम व नूरिकल्लज़ी अर्सल्तहु शाहिदम मुबश्शिरवँ व नज़ीरवँ व दाइयन इलल्लाहि बिइज़्निही व सिराजम्मुनीरवँ व नूरिकल्लज़ी ख़ात़ब्तहू या अय्युहल मुज़्ज़म्मिलु या अय्युहल मुद्दस्सिरु व नूरिकल्लज़ी तुस़ल्ली अ़लैहि व मलाइ क तु क वल्लज़ी न आमनू युस़ल्लू न अ़लैहि व नूरिकल्लज़ी जअ़ल्त वालिदैहि अअ़लल वालिदी न व आलहू अअ़लल आलि व अस्ह़ाबहू अअ़लल अस्ह़ाबि व उम्म तहू अअ़लल उममि व हु व नूरुकल महब्बतु मोह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि व अ़ला वालिदैहि व आलिही व अहलि बैतिही व अस्ह़ाबिही बिकुल्लि शअनिन जदीदिन इला अ बदिल आबादि।

तर्जमा: अल्लाह के नाम से शुरूअ़ जो बड़ा मेहरबान निहायत रह़म फ़रमाने वाला है।

पाकी है तेरी नहीं कोई मअ़बूद सिवाए अल्लाह के बादशाहत है तेरी ऐ वह ज़ात जो अल्लाह है नहीं कोई मअ़बूद सिवाए उस के जो ज़िन्दा रहने वाला है क़ाएम फ़रमाने वाला है तू भेज सलाम्ती वाला सर्मदी और मुकम्मल बर्कत वाला दुरूद मेरे सरदार अपने अ़ज़्मतो कमाल वाले नूर पर और अपने उस नूर पर जिस से पैदा किया गया जो कुछ आसमानों और ज़मीनों में है और अपने उस नूर पर जो ह़म्द करता रहा अज़ल में तेरी शान के लाएक़ और अपने उस नूर पर जिस पर ईमान लाए तमाम अम्बिया और अपने उस नूर पर जिनका नाम लिखा हुवा है जन्नत में और अपने उस नूर पर जिनकी शाने करीम में फ़रमाया तूने "और जो लोग ईमान लाए और नेक अ़मल किए और उस पर ईमान लाए जो उतारा गया मोह़म्मद ﷺ पर और वह ह़क़ है उन के रब की त़रफ़ से, तो उसने मिटा दिया उनसे उनकी सियहकारियों को और सवाँरदिया उनकी ह़ालत को" और अपने उस नूर पर जिसे भेजा तूने गवाह, ख़ुश्ख़बरी देने वाला, अल्लाह की त़रफ़ उसी के हुक्म से बुलाने वाला और चमकता दमकता चराग़ बनाकर और अपने उस नूर पर जिसे मुख़ात़ब फ़रमाया तूने या अय्युहल मुज़्ज़म्मिलु या अय्युहल मुद्दस्सिरु से और अपने उस नूर पर जिस पर तू भेजता है दुरूद, और तेरे फ़िरिश्ते और ईमान वाले दुरूद भेजते हैं और अपने उस नूर पर जिनके वालिदैन को बनाया तूने तमाम वालिदैन में अअ़ला और उन की आल को तमाम आल में अअ़ला उन के अस्ह़ाब को तमाम अस्ह़ाब में अअ़ला और उन की उम्मत को तमाम उम्मतों में अअ़ला और वह तेरे नूरे मोहब्बत मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं। और आप ﷺ के वालिदैन पर, आप ﷺ की आल पर आप ﷺ की अहले बैत पर और आप ﷺ के अस्ह़ाब पर हर नई शान के साथ हमेशी त़ौर पर।

नोट: जो शख़्स इस दुरूद को ४०/७/३ बार सुब्हो शाम अपना मअ़मूल बनाएगा तो उस के तमाम गुनाह बख़्शदिए जाऐंगे और उसका मुर्दा दिल ज़िन्दा हो जाएगा, नीज़ सलामतिये ईमान के साथ जुम्ला सआ़दते दारैन ह़ासिल होगी।